रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

रादुविवि में नैक मापदण्डों पर सुधारात्मक एवं व्यवहारिक सत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

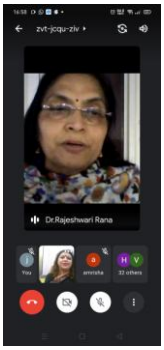

जबलपुर 15 जनवरी। नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन करना है। यह लक्ष्य आचार्यगण, अधिकारियों एवं अतिथि शिक्षकों के बिना सहयोग से संभव नहीं है। परस्पर समन्वय स्थापित करके ही विश्वविद्यालय नैक "ए" ग्रेड के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। यह सभी के सम्मिलित प्रयासों और परिश्रम और कार्य के प्रति समपर्ण से ही निर्धारित होगा। इसी उद्देश्य को लेकर शुक्रवार को विश्वविद्यालय में नैक मापदण्डों पर दो दिवसीय सुधारात्मक एवं व्यवहारिक सत्र का शुभारंभ हुआ।

नैक पर आधारित ऑनलाईन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में नैक टीम बैंगलोर के पैनल में शामिल डॉ. कीर्ति दीदी, प्राचार्य निर्मला कॉलेज उज्जैन, नैक अस्सिटेंट ने नैक पर आधारित विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि नैक किसी भी इंस्टीट्यूशन का मूल्यांकन नैक द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार होता है। इनमें सबसे पहले इंस्टीट्यूशन में चल रहे पाठ्यक्रम देखे जाते हैं जो कि वर्तमान समय में स्टूडेंट्स के लिए कितने उपयोगी हैं। अनुसंधान एवं परामर्श और विस्तार के तहत देखा जाता है कि संस्था में रिसर्च फैकल्टी कैसी है और आगे भी उनका विस्तार करने की संभावना क्या है। नैक द्वारा संस्थान के प्रति छात्रों के बीच सोच कैसी है और संस्थान द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं से खुश है कि नहीं इसे भी देखा जाता है। संस्था की संगठन और प्रबंधन व्यवस्था कैसी है। संस्थान के छात्रों और संगठन में अनुशासन कैसा है इत्यादि का भी मूल्यांकन किया जाता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उपरोक्त संस्था में आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध हैं, मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं इनका भी आंकलन किया जाता है। गूगल मीट के माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन रादुविवि नैक समन्वयक प्रो. राजेश्वरी राणा ने किया एवं सभी प्रतिभागियों से एसएसआर रिर्पोट से संबंधित सभी जानकारियों शीघ्र उपलब्ध कराने की बात कही ताकि नए सत्र की नैक रिपोर्ट शीघ्र नैक, यूजीसी तक पहुंचायी जा सके। इस अवसर पर विवि के सभी संकायों के अतिथि विद्वान एवं शिक्षण विभागों के प्रमुख उपस्थित रहे।